• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण

राजधानी •
वर्ष 23 | अंक 244 | पृष्ठ : 20+8+16
मूल्य : चार रुपये

अमर उजाला

नई दिल्ली
शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण-अष्टमी
विक्रम संवत-2082

शिक्षा

25 गांवों को होगा फायदा, शासन ने कार्यदायी संस्था का किया चयन, संस्था डीपीआर बनाकर शासन को भेजेगी, फरवरी में शुरू होगा कार्य

एयरपोर्ट के बाद शिक्षा की उड़ान, जेवर में खुलेगा कंपोजिट स्कूल

अंकुर त्रिपाठी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बाद जेवर के निवासियों को सेक्टर-10 के पास मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल की सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल में प्री प्राइमरी से 12वीं तक की कक्षाएं संचालित होंगी।

जेवर विधानसभा में सरकारी स्कूल कम होने के कारण बच्चों को करीब 15 से 20 किलोमीटर दूर पढ़ने के लिए जाना पड़ता है। अब उन्हें बेहतर सुविधाएं घर के पास ही मिलेंगी। छह एकड़ में बनने वाले स्कूल में सभी हाइटेक सुविधाएं मौजूद होंगी। शासन की ओर से उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) को नामित कर दिया गया है। अब संस्था डीपीआर तैयार कर कार्य को शुरू कराएगी।

जिला समन्वयक अविनाश सिंह ने बताया कि यमुना प्राधिकरण की ओर से विभाग को जमीन आवंटित की गई है। नोएडा एयरपोर्ट के पास ही स्कूल का निर्माण कराया जाएगा। जिससे करीब 25 से 30 गांवों के लोगों को फायदा मिलने वाला है। जनपद में पहला मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय जेवर में बनने जा रहा है। विद्यालय को मल्टी स्टोरी बनाया जाएगा। खेल का मैदान बनाया जाएगा। रसायन, भौतिक और जीव विज्ञान के साथ ही एआइ की लैब बनाई जाएगी। वाईफाई और ऑनलाइन सीसीटीवी मॉनिटरिंग की सुविधा होगी।

साफ-सफाई के लिए कर्मचारी और सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड तैनात होंगे। एक मल्टीपर्पज रूम होगा, रेनवाटर कलेक्शन सिस्टम, सोलर पैनल भी स्कूल में लगाए जाएंगे।

आरओ वाटर प्लांट, हाथ धोने की जगह भी बनाई जाएगी। मिड-डे मील मिलेगा और इसके लिए डायनिंग हाल भी होगा।

30 करोड़ रुपये की लागत से होगा तैयार

बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने बताया कि मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल 30 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट आने के बाद से जेवर को कई स्कूलों को सौगात मिल चुकी हैं। पीएमश्री से लेकर अन्य स्कूलों का भी निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बाल वाटिका, न्यूट्रिशन गार्डन, वाईफाई और आनलाइन सीसीटीवी मानिटरिंग की सुविधा होगी।

> यमुना प्राधिकरण से मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट स्कूल के लिए छह एकड़ की जमीन दिला दी गई है। जेवर क्षेत्र तेजी से शिक्षा के क्षेत्र में भी विकास कर रहा है। लड़कियों को भी अब 10 से 12 किलोमीटर दूर पढ़ने जाना नहीं पड़ेगा। - **धीरेंद्र सिंह,जेवर विधायक**